

हवाई पत्र
Aerogramme



S. H. RAZA

Rue du château

GORBIO

06500 MENTON

(FRANCE)

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

भेजने वाले का नाम और पता:-
Sender's Name and Address:-

प्रिय राजा

उम्मादा पत्र मैक्सिमो से कहा है एक उद्धृत से बाद मिला। पर जोर
रह चुकी हुई कि तुम और जॉर्ज ठीक से और साथ ही ठीक चले रहे।

यहां के प्रशासक कोई विशेष तो हैं नहीं। फिर मैं इतना कह ना गया हूं कि उस दानूज
भी नहीं पड़ता जब तक कि कोई मुझे -पटके धर भा जाता है तो कला जगत के प्रशासक
मिल जाते हैं। पर तो बता जना कि अंग और अमेरिका में भारतीय उत्पन्न होने वाले हैं।
एक मॉरिंग भी हम ही में हुई थी फ्रांस उत्पन्न के बारे में जिन्होंने कुछना लिख भी पेरिस
में जाई थी। विपरीतार्थ ही हम कमेटी के एक प्रदर्शक हैं जिन्होंने कहा कि भारतीय
प्रशासकीय कला उद्देश्यों के विषय में जोग अधिक उत्पन्न नहीं थे। पर भी बता जना कि
पेरिस में कोई फ्रांसीसी मारेगे और वही चित्रकारों का चुनाव करेंगे। हमारा कोई इतना
बलवान भी नहीं है। यदि कोई चित्र मांगे मारेगा, सभी देखेंगे। हमारे शब्द में कुछ भी नहीं है।
मैं भी चित्र लोग ठीक हैं। कृष्ण में सभी 2 भेंट हो जाती है। वे एक शेरम के लिए बहुत बड़ा
काद कर रहे हैं। Panels में चित्र बना रहे हैं। सभी 3 हमें अपने दोरों के बीच आजाते
हैं और उन्हें में स्पर्श, भेद, बंधन के प्रशासक मिल जाते हैं। वे बहुत active हैं।
मैक्सिमो को विश्वभारती (आंतरिकित) में दो वर्ष के लिए Artist in Residence का निर्धारण
मिला है और वह उसे त्वरित भाँ कर लेगा।

उस मिला वह बहुत शान्त वातावरण है, कोई लड़ाई फाड़ नहीं। प्रत्येक पत्र 2 उत्ति में जी
रहे हैं। सभी कलाकृति मिल मिल जाते हैं तो शास्त्र के साथ इंद्री के बंधन मुगई देते हैं। लान
में मिले एक प्रमाण हो गया। पिछली पार्टियों में सब के दिल्ली भाई तो मैं प्रतीति और
गोमंतक और आलाप का दौरा कर रहा था।

गर्हिषा दिल्ली में ही कीत गई। पड़ा जाने का दौरा ही गी माया।

प्रश्न - पत्र लिखना। यदि तबे काओं के उस चित्र कोते लिए हो तो भेजना, दोरों की
उत्पत्ति है। मुम्मादा Tiennele नाम चित्र कमादनी में लिखे के कमे में टंगा है जो 5
दिन पूर्व भेजे देखा था।

अशोक मोहन में ही है। उम्मे भी इधर भेंट गी हुई।

प्रश्न - उन लोगों का पता मुझे देंगे। हाँ।

रामपुरा